चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 12.6.2019 पृष्ठ सं. 22 कॉलम 3-6

हकृवि को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

आंध्रप्रदेश में हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने किया सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू से अवार्ड लेते हुए हकृवि वैज्ञानिक। • जागरण

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि सघन फसल प्रणाली के लिए उपयुक्त उच्च पैदावार, रोग प्रतिरोधक और शीघ्र पकने वाली छोटी अवधि की फसल किस्मों का विकास इस विश्वविद्यालय में निरंतर जारी है। उन्होंने कहा यहां के वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बीजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनमें मूंग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और उर्द की एक किस्म शामिल हैं।

हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूंग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जोन में जबकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जोन में खेती के लिए चिन्हित किया गया है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग देश में मूंग प्रजनन का एक प्रमुख केंद्र है। अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूंग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में - आशा, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की हैं जोकि हरियाणा प्रदेश ही नहीं अपितु देशभर में बहुत लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा हलांकि, हरियाणा एक बहुत छोटा राज्य है जहां केवल 1 से 1.5 क्षेत्र दलहनों के अंतर्गत है जिसमें मूंग की हिस्सेदारी 1.5 से 2 है, फिर भी देश के विभिन्न राज्यों के किसानों ने हकृवि की किस्मों को खुले हाथों से अपनाया है और अब देश में मूंग के अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमएच 421 की खेती की जा रही है। दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डा. अशोक छाबड़ा ने कहा कि विभिन्न दलहन फसलों की किस्मों के विकास में इस विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग पूरे देश में अग्रणी है। यह दूसरा अवसर है जब हकृवि के दलहन अनुभाग को मूंग पर किए गए सराहनीय कार्य को मान्यता दी गई है। इससे पूर्व मूंग अनुसंधान में इसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड - 2008 से सम्मानित किया गया था।

यहां उल्लेखनीय है कि उपरोक्त बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डा. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवॉर्ड के लिए हकृवि के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने मूंग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 12.6.2019 पृष्ठ सं. ...6..... कॉलम ...3-8.....

उपलब्धि

उपराष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश में आयोजित एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय को किया सम्मानित

हकृवि को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला अवॉर्ड

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवॉर्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने हकृवि के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवॉर्ड प्रदान किया।

हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि यहां के वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बिजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं, जिनमें मूंग की छह, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और उड़द की एक किस्में शामिल हैं। हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूंग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जोन में, जबकि चना एचसी छह को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर-पश्चिमी मैदानी जोन में खेती के लिए चिह्नित किया है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग ने देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूंग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में विकसित की हैं, जिनमें आशा, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में केवल 1 से 1.5 प्रतिशत क्षेत्र दलहनों के अंतर्गत है, जिसमें मूंग की हिस्सेदारी 1.5 से 2 प्रतिशत है। अब देश में मूंग के अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमएच 421 की खेती की जा रही है।

अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा ने कहा कि यह दूसरा अवसर है, जब हकृवि के दलहन अनुभाग को मूंग पर किए गए सराहनीय कार्य को मान्यता दी गई है।

इससे पूर्व मूंग अनुसंधान में इसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवॉर्ड -2008 से सम्मानित किया गया था। यहां उल्लेखनीय है कि उपरोक्त बेस्ट सेंटर अवॉर्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू से अवॉर्ड लेते हकृवि वैज्ञानिक। - अमर उजाला

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 12.6.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 6-7

एचएयू को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला बेस्ट सेंटर अवॉर्ड

वैज्ञानिकों ने विभिन्न ऋतुओं के लिए दलहनों की 34 उन्नत किस्में विकसित की

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवॉर्ड-2018 दिया गया है। अवॉर्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उप राष्ट्रपति से प्राप्त किया। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवॉर्ड प्रदान करके सम्मानित किया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि सघन फसल प्रणाली के लिए उपयुक्त उच्च पैदावार, रोग प्रतिरोधक और शीघ्र पकने वाली छोटी अवधि की फसल किस्मों का विकास इस विश्वविद्यालय में निरंतर जारी है। इस अवॉर्ड के लिए हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने मूंग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी। एचएयू के वैज्ञानिकों

एचएयू के वैज्ञानिकों को सम्मानित करते उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू।

ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बिजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनमें मूंग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और उर्द की एक किस्म शामिल हैं। हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूंग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जोन में जबकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जोन में खेती के लिए चिह्नित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि भूमि....
दिनांक 12.6.2019 पृष्ठ सं. ...14... कॉलम ...3-5...

हकृवि को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने हकृवि के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया। हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विवि के वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बीजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं। जिनमें मूंग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और उर्द की एक किस्म शामिल हैं। हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूंग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जोन में, जबकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जोन में खेती के लिए चिन्हित किया गया है।

■ हकृवि ने दलहनों की 34 किस्में विकसित की

आशा और मुस्कान देशभर में लोकप्रिय

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग देश में मूंग प्रजनन का एक प्रमुख केंद्र है। अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूंग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में-आशा, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की हैं जोकि हरियाणा देशभर में बहुत लोकप्रिय हैं।

देशभर में 24 फीसदी एमएच 421 की खेती

हरियाणा एक बहुत छोटा राज्य है जहां केवल 1 से 1.5 क्षेत्र दलहनों के अंतर्गत है। जिसमें मूंग की हिस्सेदारी 1.5 से 2 है, फिर भी देश के विभिन्न राज्यों के किसानों ने हकृवि की किस्मों को खुले हाथों से अपनाया है। अब देश में मूंग के अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमएच 421 की खेती की जा रही है।

2008 में भी मिला था बेस्ट अवॉर्ड

दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा ने कहा कि विभिन्न दलहन फसलों की किस्मों के विकास में इस विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग पूरे देश में अग्रणी है। उनके अनुसार यह दूसरा अवसर है जब हकृवि के दलहन अनुभाग को मूंग पर किए गए सराहनीय कार्य को मान्यता दी गई है। इससे पूर्व मूंग अनुसंधान में इसके उगेखनीय कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड-2008 से सम्मानित किया गया था।

उपराष्ट्रपति ने प्रदान किया अवॉर्ड

यह बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने मूंग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 12.6.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 7-8

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू से अवार्ड लेते हुए हकृवि वैज्ञानिक।

हकृवि को मिला बैस्ट सैंटर अवार्ड

हिसार, 11 जून (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बैस्ट सैंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की सम्पन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया। उपरोक्त बैस्ट सैंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डा. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हकृवि के कुलपति प्रो.के.पी.सिंह और अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने मूंग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम निष्पक्ष टाईम्स
दिनांक 11.6.2019 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 1-6

मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए हकृवि को मिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

हिसार, 11 जून (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि सघन फसल प्रणाली के लिए उपयुक्त उच्च पैदावार, रोग प्रतिरोधक और शीघ्र पकने वाली छोटी अवधि की फसल किस्मों का विकास इस विश्वविद्यालय में निरंतर जारी है। उन्होंने कहा यहां के वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बीजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनमें मूंग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और उर्द की एक किस्म शामिल हैं।

हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूंग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जोन में जबकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जोन में खेती के लिए चिन्हित किया गया है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग देश में मूंग प्रजनन का एक प्रमुख केन्द्र है। अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूंग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में-आशा, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की हैं जोकि हरियाणा प्रदेश ही नहीं अपितु देशभर में बहुत लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा हलांकि, हरियाणा एक बहुत छोटा राज्य है जहां केवल 1 से 1.5 प्रतिशत क्षेत्र दलहनों के अंतर्गत है जिसमें मूंग की हिस्सेदारी 1.5 से 2 प्रतिशत है, फिर भी देश के विभिन्न राज्यों के किसानों ने हकृवि की किस्मों को खुले हाथों से अपनाया है और अब देश में मूंग के अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमएच 421 की खेती की जा रही है।

दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा ने कहा कि विभिन्न दलहन फसलों की किस्मों के विकास में इस विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग पूरे देश में अग्रणी है। उनके अनुसार यह दूसरा अवसर है जब हकृवि के दलहन अनुभाग को मूंग पर किए गए सराहनीय कार्य को मान्यता दी गई है।

इससे पूर्व मूंग अनुसंधान में इसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड - 2008 से सम्मानित किया गया था। यहां उल्लेखनीय है कि उपरोक्त बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने मूंग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पाठक पक्ष....

दिनांक ..11.6.2019.. पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....1-4....

हकृवि को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

हिसार, 11 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सघन फसल प्रणाली के लिए उपयुक्त उच्च पैदावार, रोग प्रतिरोधक और शीघ्र पकने वाली छोटी अवधि की फसल किस्मों का विकास इस विश्वविद्यालय में निरंतर जारी है। उन्होंने कहा यहां के वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बीजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनमें मूंग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और उर्द की एक किस्म शामिल हैं। हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूंग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जोन में जबकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जोन में खेती के लिए चिन्हित किया गया है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग देश में मूंग प्रजनन का एक प्रमुख केन्द्र है। अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूंग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में - आशा, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की हैं जोकि हरियाणा प्रदेश ही नहीं अपितु देशभर में बहुत लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा हलांकि, हरियाणा एक बहुत छोटा राज्य है जहां केवल 1 से 1.5% क्षेत्र दलहनों के अंतगर्त है जिसमें मूंग की हिस्सेदारी 1.5 से 2% है, फिर भी देश के विभिन्न राज्यों के किसानों ने हकृवि की किस्मों को खुले हाथों से अपनाया है और अब देश में मूंग के अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमएच 421 की खेती की जा रही है। दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा ने कहा कि विभिन्न दलहन फसलों की किस्मों के विकास में इस विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग पूरे देश में अग्रणी है। उनके अनुसार यह दूसरा अवसर है जब हकृवि के दलहन अनुभाग को मूंग पर किए गए सराहनीय कार्य को मान्यता दी गई है। इससे पूर्व मूंग अनुसंधान में इसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड - 2008 से सम्मानित किया गया था। यहां उल्लेखनीय है कि उपरोक्त बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने मूंग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स .....

दिनांक 11.6.2019 पृष्ठ सं. ..... 3 ..... कॉलम ..... 4 .....

हकृवि को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूंग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सघन फसल प्रणाली के लिए उपयुक्त उच्च पैदावार, रोग प्रतिरोधक और शीघ्र पकने वाली छोटी अवधि की फसल किस्मों का विकास इस विश्वविद्यालय में निरंतर जारी है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग देश में मूंग प्रजनन का एक प्रमुख केन्द्र है। अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूंग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में - आशा, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की है जोकि हरियाणा प्रदेश ही नहीं अपितु देशभर में बहुत लोकप्रिय है।

उन्होंने कहा हालांकि, हरियाणा एक बहुत छोटा राज्य है जहां केवल 1 से 1.5 प्रतिशत क्षेत्र दलहनों के अंतगर्त है जिसमें मूंग की हिस्सेदारी 1.5 से 2 प्रतिशत है, फिर भी देश के विभिन्न राज्यों के किसानों ने हकृवि की किस्मों को खुले हाथों से अपनाया है और अब देश में मूंग के अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमएच 421 की खेती की जा रही है।

दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डा. अशोक छाबड़ा ने कहा कि विभिन्न दलहन फसलों की किस्मों के विकास में इस विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग पूरे देश में अग्रणी है। उनके अनुसार यह दूसरा अवसर है जब हकृवि के दलहन अनुभाग को मूंग पर किए गए सराहनीय कार्य को मान्यता दी गई है। इससे पूर्व मूंग अनुसंधान में इसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड - 2008 से सम्मानित किया गया था।

यहां उल्लेखनीय है कि उपरोक्त बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हकृवि के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने मूंग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

हिसार। उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू से अवार्ड लेते हुए हकृवि वैज्ञानिक।

दलहनों की कुल 34 किस्में की विकसित

उन्होंने कहा यहां के वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बिजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की है जिनमें मूंग की 6, उड़द की 15, अरहर की 7, मसूर की 3, अहहर की 2 और उर्द की एक किस्म शामिल है। हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूंग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जोन में जबकि उड़द एचकी 6 को हरियाणा राज्य व एचकी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जोन में खेती के लिए चिन्हित किया गया है।